Total No. of Printed Pages—4

4 SEM TDC HINH (CBCS) C 9

2024

(May/June)

DIBRU COLLEGE CENTRAL LIBRARY
ESTD-1963
DIBRUGARH

HINDI

(Core)

Paper : C–9

(हिन्दी उपन्यास)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) जालपा की शादी के चढ़ावे में कौन-सा गहना नहीं आया था?

(ख) 'त्यागपत्र' उपन्यास की नायिका कौन है?

(ग) दयानाथ कहाँ नौकरी करते थे?

(घ) 'त्यागपत्र' उपन्यास का प्रकाशन कब हुआ?

(ङ) 'मानस का हंस' उपन्यास के लेखक कौन हैं?

(च) 'महाभोज' किस प्रकार की रचना है?

(छ) 'मानस का हंस' उपन्यास किसके जीवन-कथा पर आधारित है?

(ज) 'महाभोज' उपन्यास में लोचनसिंह रावत किस नाम से विख्यात है?

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×4=32

(क) गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फैल गया। जिन लोगों के भोजन का ठिकाना नहीं, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते हैं। हर साल अरबों रुपये केवल सोना-चाँदी खरीदने में व्यय हो जाते हैं। संसार के और किसी देश में इन धातुओं की इतनी खपत नहीं। तो बात क्या है? उन्नत देशों में धन व्यापार में लगता है, जिससे लोगों की परवरिश होती है और धन बढ़ता है। यहाँ धन शृंगार में खर्च होता है, उसमें उन्नति और उपकार की जो दो महान शक्तियाँ हैं, उन दोनों ही का अंत हो जाता है।

अथवा

लज्जा ने सदैव वीरों को परास्त किया है। जो काल से भी नहीं डरते, वे भी लज्जा के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं करते। आग में झुंक जाना, तलवार के सामने खड़े हो जाना, इनकी अपेक्षा कहीं सहज है। लाज की रक्षा ही के लिए बड़े-बड़े राज्य मिट गये हैं, रक्त की नदियाँ बह गयी हैं, प्राणों की होली खेल डाली गयी हैं।

(ख) लीला तेरी है, जीत-मरते हम हैं। क्यों जीते; क्यों मरते हैं? हमारी चेष्टा, हमारे प्रयत्न क्या हैं? क्यों हैं? पूछे जाओ, उत्तर कोई नहीं मिलता। फिर भी उत्तर नीरव भाषा में सदा मुखरित है। भीतर उत्तर है।

अथवा

वह काल के अधीन है, यह तब ज्ञान ही न रहा। ऐसा भी न अनुभव हुआ कि वाद-विवाद द्वारा, प्रश्नोत्तर द्वारा, सफाई-तफसील द्वारा भरने के लिए कोई अंतर भी हमारी परस्पर की स्थितियों के मध्य बाकी बचा हुआ है। मानों सब कुछ ठीक है और हम दोनों का यहाँ इस विधि होना भी उस 'सब ठीक' का ही भाग है। जो बिना त्रिकाल-भेद के सदा-सर्वदा वर्तमान है उसी के निर्देश पर मानो मात्र वर्तमान होकर है वहाँ था।

(ग) ''इसी बात की तो परीक्षा लेना चाहता हूँ। राम-कृपा से मैं उस आकर्षण से मुक्त रहूँगा जिससे सारा संसार बँधता है।''

अथवा

''दोषी मेरा भाग्य है। तुम्हें पाकर एक जगह में अपने आपको इतनी धन्य अनुभव करती हूँ कि अपने दुर्भाग्य पर बीच-बीच में बावली खीझ उठ पड़ती है। मैं अपने आपसे विवश हूँ स्वामिन्।'' कहकर वह फिर पति की छाती में मुँह गड़ाकर फूट-फूटकर रोने लगी।

(घ) नहीं, ये बातें गिने-चुने मूर्खों को छोड़कर, अब किसी को परेशान नहीं करती। परेशान करना तो दूर, क्षण-भर के लिए भी किसी के दिमाग में नहीं आती। कुछ बातें, कुछ तथ्य, कुछ स्थितियाँ प्रचलित होते-होते सबके बीच इस तरह स्वीकृति पा लेती है कि वे फिर लोगों की सोच की सीमा में रहती ही नहीं।

अथवा

इस बार तो देख लिया सबने कि जनता की एकता में बड़ा जोर है। तूफानी जोर। तूफान आता है तो बड़े-बड़े पेड़ों को जड़ सहित उखाड़ फेंकता है। जनता एक होती है तो बड़े-बड़े राज्य उलट देती है। फिंका हुआ आदमी ही इस बात को सबसे ज्यादा महसूस करता है। कुर्सी पर बैठना है तो जनता में फूट डालो।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।

(ख) "जैनेन्द्र जी ने 'त्यागपत्र' में मृणाल के बहाने नारी-जीवन की विविध समस्याओं का वर्णन किया है।" स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्रेमचंद के उपन्यास 'गबन' का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(घ) नामकरण के आधार पर 'मानस का हंस' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ङ) विपक्षीदल की राजनीति के धूर्त-प्रणेता के रूप में सुकुल बाबू का मूल्यांकन कीजिए।

(च) 'मानस का हंस' के आधार पर रत्नावली का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'महाभोज' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ज) 'त्यागपत्र' उपन्यास की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

★ ★ ★